हिंदी-साहित्य मंडल
२०१५-२०१६

शैक्षणिक वर्ष २०१५-२०१६ के हिंदी साहित्य मंडल की प्रभारी अधिव्याख्याता डॉ. आशा धुरे एवं उनके सहयोगी डॉ. वामनराव नाखले समिती सदस्य थे I प्रतिवर्ष की तरह हिंदी साहित्य मंडल की ओर से हिंदी-दिवस के उपलक्ष्य में द्वी-दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया I

इस वर्ष विद्यार्थी अध्यक्ष सिमरन शेख एवं विद्यार्थी उपाध्यक्ष नील राणे एवं अन्य विद्यार्थी सलाहकार विशाल चाफे तथा साहित्य मंडल के सभी विद्यार्थियों ने मिलकर १४ सितंबर एवं १५ सितंबर को द्वी-दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बडी सफलतापूर्वक से किया गया I दो दिन के इस कार्यक्रम में पहले दिन साहित्यिक कार्यक्रम एवं दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया I महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आण्णासाहेब खेमनर सर उद्घाटन समारोह में पूना में तत्काल मीटिंग की वजह से उपस्थित नही हो पाये इसके लिए उन्होने खेद जताया तथा कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं I उद्घाटन समारोह सिडनहॅम मॅनेजमेंट के संचालक माननीय डॉ. एम.बी.भिडे के हाथो संपन्न हुआ I उद्घाटन सत्र में डॉ. एम.बी.भिडेजी ने वर्तमान समय में हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भाषा में संवाद को महत्व दिया I उनके अनुसार वही भाषा सर्वाधिक सफल होती है जिस भाषा में ज्यादा से ज्यादा लोगों का संवाद होता है I उनका मानना है वर्तमान समय में हिंदी ही वह भाषा है जिसमें देश के किसी भी कोने में रहनेवाला व्यक्ति बडी सरलता से अपनी बात कर सकता है समझ भी सकता है I

मुख्य अतिथि के भाषण के पश्चात साहित्यिक कार्यक्रम की शुरुआत हुई जिसमे वाद-विवाद प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नमंजुषा, सुलेख, पत्रलेखन, कविता लेखन, निबंध लेखन, कहानी

लेखन प्रतियोगिता एवं इसके अतिरिक्त साहित्येतर कला अर्थात मेहंदी, पॉट पेंटीग, चारकोल पेंटिंग, फूड आर्ट स्पर्धा का आयोजन हुआ I महाविद्यालय के लगभग दो सौ विद्यार्थियो ने प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया I उसी दिन शाम को गरबा नृत्य का आयोजन किया गया I जिसका सभी विद्यार्थियो ने लुफ्त उठाया I गरबा नृत्य में बेस्ट पोशाक-'सर्वोत्तम वेशभूषा' का पुरस्कार मंडल की तरफ से देने की घोषणा हुई I

दूसरे दिन विद्यार्थियो के लिए हिंदी साहित्य मंडल की तरफ से सांस्कृतिक कार्यक्रम की स्पर्धा रखी गयी I जिसमें गायन, लोकनृत्य मुख्य है I सिडनहॅम महाविद्यालय वाणिज्य महाविद्यालय होने की वजह से हिंदी साहित्य मंडल एवं I.B.S. के संयुक्तात्वधान में विद्यार्थियो के कॅरिअर पर सेमिनार रखा गयी I इस सेमिनार में विद्यार्थियों को बारहवीं एवं ग्रेजुएशन के पश्चात आगे भविष्य में क्या करना चाहिय इसका मार्गदर्शन किया गया I

अंत में महाविद्यालय के **प्राचार्य** माननीय डॉ. अण्णासाहेब खेमनर एवं **इन्स्टीट्युट** ऑफ सायन्स के डॉ. रवी तायडे के हाथों पुरस्कार वितरण हुआ I विभिन्न स्पर्धा के विजेता **प्रतियोगियों** को पुरस्कार देते हुए महाविद्यालय के माननीय **प्राचार्य** ने हिंदी में अपनी कविता सुनाते हुए सभागृह में उपस्थित सभी विद्यार्थियो एवं प्राध्यापकों को मोहित कर दिया I मुख्य अतिथि रवि तायडे ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित प्रतियोगिता के सभी विजेता विद्यार्थियो को बधाई दी I हिंदी **साहित्य** मंडल की प्रभारी प्राध्यापिका डॉ. आशा धुरे ने एवं उनके सहयोगी प्राध्यापक डॉ. नाखले ने **पुरस्कार** विजेता विद्यार्थियो को बधाई दी एवं भविष्य में इसी प्रकार प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हुए शुभकामनाएँ दी I

महाविद्यालय के मुख्य कार्यक्रम ब्रु-हा-हा में हिंदी साहित्य मंडल के विद्यार्थियो ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया I **लाजिस्टिक** में ओंकार कांगणे, स्पोर्ट्स में नील राणे, पी.आर. समिती में शीतल को विशेष पुरस्कार प्राप्त हुआ I हिंदी साहित्य मंडल के सभी विद्यार्थी **निकिता**, रुचिका, अक्षिता, ओंकार कांगणे, प्रतिक तराटे, आफताब, आलिया, राहुल छाबडा ने **महत्वपूर्ण** कार्य करते हुए हिंदी साहित्य मंडल के सफल आयोजन में योगदान देते हुए अपनी सक्रीय भूमिका निभायी I हिंदी साहित्य मंडल इन सभी सदस्यों के योगदान और राष्ट्रभाषा के प्रति प्रेम के लिए अभिवादन करता है I

==========*********==========